IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 1, December 2025 Impact Factor: 7.67

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्म विश्वास का शैशिक उपलब्धि के साथ संबंध का अध्ययन

राम प्रकाश

शोधार्थी, शिक्षक शिक्षा विभाग, जे. एन. पी. जी. कालेज, लखनऊ

(लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्व)

iamramprakashyadav@gmail.com

प्रो. तिर्मल सिंह

शोध निर्देशक, शिक्षक शिक्षा विभाग जे. एन. पी. जी. कालेज, लखनऊ

(लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्व)

शोध का सारांश–

प्रस्तुत शोध अध्ययन माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का शैक्षिक उपलब्धी के साथ सम्बन्ध का अध्ययन है। प्रस्तुत अध्ययन में वर्णत्मक अनुसंधान के अन्तर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। जनसंख्या के रूप में लखनऊ जनपद में स्थित माध्यमिक विद्यालयो अध्ययनरत कक्षा–11 के छात्र एवं छात्राओं को जनसंख्या माना गया है। न्यादर्श के रूप 400 को विद्यार्थियों यादृच्छिक विधि द्वारा चुना गया है। उपकरण के रूप में मधु गुप्ता एवं बिदिया लखानी द्वारा निर्मित आत्म विश्वास मापनी का प्रयोग किया गया तथा शैक्षिक उपलब्धि के मापन हेतु विद्यार्थियों हाई स्कूल बोर्ड उ0 प्र0 परीक्षा के प्राप्त अंको का प्रयोग किया गया । आँकड़ो के विश्लेषण के लिए पियर्सन सह–सम्बन्ध विधि का प्रयोग गया है। प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्ष के रूप में पाया गया कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्म विश्वास का शैक्षिक उपलब्धि के साथ उच्च धनात्मक सह सम्बन्ध पाया गया

कि वर्ड–माध्यमिक स्तर, आत्मविश्वास, शैक्षिक उपलब्धि।

प्रस्तावना–

मानव जीवन में शिक्षा का महत्व पूर्ण स्थान है। शिक्षा प्रक्रिया के तीन अति महत्वपूर्ण भाग है–शिक्षक, शिक्षार्थी और पाठ्यक्रम। प्राचीन काल में शिक्षा का केन्द्र बिन्दु शिक्षक होता था, परन्तु बदली हुई परिस्थियों में शिक्षा का केन्द्र बिन्दु बालक को माना गया है तथा शिक्षा प्रक्रिया के अन्य अंग उसके चारो ओर केन्द्रित हो गये इसी को सिद्धान्त मानकर वर्तमान समय में शिक्षा का प्रारूप तैयार किया जाता है। ऐसी स्थिति में छात्र एवं छात्राओं के व्यक्तित्व एवं क्षमताओं और योग्यताओं को समझना आवश्यक है। समाज में जीवन यापन के लिए बौद्धिक विकास के साथ–साथ शारीरिक, मानसिक, अध्यात्मिक एवं सामाजिक विकास की आवश्यकता होती है जो शिक्षा द्वारा प्राप्त किये जा सकते हैं। शिक्षा ही व्यक्ति को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी नागरिक बनाने में महत्व पूर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षा ही एक ऐसी क्षमता का विकास करती है जिसकी सहायता से संकट के समय में सफलता प्राप्त होती है तथा समाज मे समायोजन स्थापित करने की क्षमता का विकास करती है। प्रयः ऐसा देखा गया

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 1, December 2025 Impact Factor: 7.67

है कि आत्मविश्वास एक ऐसा कारक है जो जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्रदान करने में महत्व पूर्ण भूमिका का निरवाहन करता है। आत्मविश्वास का स्तर विद्यार्थी के व्यवहार, बोल–चाल कर्य करने ढंग अदि से पता चलता है। आत्मविश्वास विद्यार्थी को आशावादी और यर्थातवादी बनाने महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। आत्म विश्वास विद्यार्थी की शैक्षिक उपलब्धि और योग्यताओं को भी प्रभावित करता है।

आत्म विश्वास का अर्थ होता है कि अपने ऊपर विश्वास करना अर्थात अपनी क्षमताओं योग्यताओं और अनुभव पर विश्वास करना। आत्म विश्वास व्यक्तित्व की एक प्रुमुख विशेषता है। विद्यार्थी का आत्मविश्वास उसके आत्म विचार के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण है और स्वयं की क्षमताओं को जानने का गुण है। एक आत्मविश्वासी विद्यार्थी मानोवैज्ञानिक और भावात्मक रूप से अधिक परिपक्व होता है, जिसके कारण उसे जीवन के अनेक क्षेत्रों में सफलता मिलती है, तथा जीवन में आने वाली अनेक बाधाओं पर विजय प्राप्त करके अपने जीवन में अधिक संतुष्टि को प्राप्त करता है।

स्वेट मॉर्डेन के अनुसार– आत्मविश्वास का शाब्दिक अर्थ है स्वयं में विश्वास करना। यह विश्वास है कि मैं समर्थ हूँ। यह विश्वास है कि मै कर सकता हूँ। यही आत्मविश्वास है। जरशील्ड के शब्दों में– आत्म विश्वास से आशय है कि वह व्यक्ति अपने विचार भावनाओं, आशाओं, कल्पनाओं तथा अपने मूल्यों के सम्बन्ध में उसकी अभिवृत्तियों की एक समष्टी है अतः आत्मविश्वास आन्तरिक शक्ति है जिससे विद्यार्थी किसी कार्य को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने में विश्वास रखता है।

शैक्षिक उपलब्धि का आशय यह है कि विद्यार्थियों द्वारा शैक्षिक, लक्ष्यों की प्राप्ति किस सीमा तक की गई अर्थात् किसी विद्यार्थी द्वारा वर्ष भर किये गये कार्यों के परीक्षण का परिणाम है।

स्किनर के अनुसार– ''कार्य का अन्तिम परिणाम, शैक्षिक उपलब्धि है जो विद्यार्थी के सीखने के बारे में जानकारी प्राप्त करता है।''

सारांश रूप से कह सकते हैं कि शैक्षिक उपलब्धि आत्मविश्वास को प्रभावित करती है जिसके कारण व्यक्ति के जीवन मे अनेक सकारात्मक परिवर्तन होते हैं जिससे अनेक सफलताएं प्राप्त होती है।

सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन–

विशालाक्षी, के0 के0 और डा0 के0 यशोधरा (2012) ने माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और शैक्षिक उपलब्धि के सम्बन्ध में अध्ययन किया इस अध्ययन में मैशूर शहर के सरकारी और निजी विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा–9 के 321 विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में लिया था। इस अध्ययन के परिणाम स्वरूप वह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि विद्यार्थियों के आत्म विश्वास एवं शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बन्ध पाया गया आत्म विश्वास उच्च होने पर शैक्षिक उपलब्धि भी उच्च होती है।

सिंगला, रूचि (2015) ने एस्टडी ऑफ इमोशनल कम्पेटेंसी ऑफ टीचर एजूकेशन इन रिलेशन टू देयर सेल्फकान्फीडेन्स एडजेस्टमेंट एण्ड लाइफ सैटिस्फैक्शन का अध्ययन किया गया। न्यादर्श के रूप 300 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का चयन साधारण यादृच्छिक विधि द्वारा किया किया। आकड़ों के संग्रहण हेतु रेखा गुप्ता द्वारा निर्मित आत्मविश्वास मापनी का प्रयोग किया गया। निष्कर्ष रूप में प्राप्त हुआ कि महिला शिक्षकों की तुलना में पुरूष शिक्षक अधिक आत्मविश्वासी पाये गये तथा ग्रामीण शिक्षकों की तुलना में शहरी शिक्षकों का आत्मविश्वास कम पाया गया। स्ववित्तय पोषित कालेजों के शिक्षक का आत्म विश्वास कम था। तीन वर्ष से कम अनुभव वाले शिक्षकों का आत्मविश्वास 3 वर्ष से अधिक अनुभव रखने वाले शिक्षकों से निम्न था।

पुरेठा, दीपा (2017) ने उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, शैक्षिक उपलब्धि व संबेगात्मक बुद्धि का अध्ययन किया। निष्कर्ष रूप में पाया गया कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि विद्यालयी बोर्ड, संकाय, विद्यालय प्रकार के आधार

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 1, December 2025 Impact Factor: 7.67

पर अन्तर होता है। विद्यार्थी की संवेगात्मक बुद्धि एवं आत्म विश्वास में भी विभिन्न पृष्ठभूमि चरो के आधार पर विभिन्नता होती है। विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि व आत्मविश्वास तथा शैक्षिक, उपलब्धि का संवेगात्मक बुद्धि के साथ सकारात्मक सम्बन्ध पाया गया।

हेमलता शर्मा और पूजा (2018) ने अपने अध्ययन में रिलेशनशिप ऑफ कागनेटिव स्टाइल विद एकाममिक एचीवमेन्ट इन रिलेशन टू देयर लेवेल आफ सेल्फकान्फीडेंस सेकेन्ड्री स्कूल स्टूडेंस में सज्ञानात्मक शैली (क्षेत्र निर्भर/क्षेत्र स्वतन्त्र) और निष्पादन क्षमता के मध्य और उनके आत्मविश्वास के संबंध में देखने का प्रयास किया गया। न्यादर्श के रूप में माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं का चुनाव किया गया। तथा सांख्यकीय के रूप में पियर्सन सह–सम्बन्ध निधि का प्रयोग किया गया। निष्कर्ष में पाया गया कि दोनो की संज्ञानात्मक शैलियां (क्षेत्र निरभर/क्षेत्र स्वतन्त्र) और एकाडमिक निष्पादन के मध्य सकारात्क सह सम्बन्ध पाया गया जो कि विद्यार्थियों आत्म विश्वास में वृद्धि हेतु उत्तरदाई था तथा छात्र एवं छात्राओं में भी अन्तर विद्यमान था अर्थात् संज्ञानात्म्क शैली में लिंग भेद पाया गया।

कोटरे, लक्ष्मी (2024) ने बी0 एड0 प्रशिक्षणार्थियों के आत्म विश्वास एवं शैक्षिक उपलब्दि के संबंध में अध्ययन किया। न्यादर्श 100 बी0 एड0 के विद्यार्थियों को साधारण या दृच्छिक विधि द्वारा चयन किया गया। आकड़ों के संग्रहरण हेतु बी0 डी0 पाण्डे द्वारा निर्मित मापनी का प्रयोग किया गया तथा शैक्षिक उपलब्धि के लिए बी0 एड0 निद्यार्थियों के प्रथम वर्ष की अंक सूची का प्रयोग किया गया। निष्कर्ष यह प्राप्त हुआ कि आत्म विश्वास और शैक्षिक उपलब्धि में घनात्मक सह सम्बन्ध पाया गया।

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व–

शिक्षा व्यक्तित्व का निर्माण करती है। आत्मविश्वास व्यक्तित्व का एक कारण है यह व्यक्ति को दृणनिस्चयी और आत्मनिर्भर बनाता है। एवं संकट के समय धैर्यवान और सहशील बनाता है जिसके कारण व्यक्ति सफलता प्राप्त करता है। आत्मविश्वास व्यक्ति की एक आन्तिक शक्ति है जो उसे अपनी क्षमताओं और योग्यताओं का आकलन करने से सहायता करता है और विषम परिस्थितियों मे भी व्यक्ति को सफलता प्राप्त होती है। सामान्य तौर पर यह पाया जाता है। आत्मविश्वाशी व्यक्ति जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करता है। आत्मविश्वास से ओत–पोत विद्यार्थी न केवल व्यक्तिगत सफलताये प्राप्त करता है बल्कि वह सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। आत्मविश्वास शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है। आत्म विश्वासी विद्यार्थी न केवल पाठ्यगामी क्रियाओं सफलता प्राप्त करता है वह पाठ्य सहगामी क्रिया में भी सफलता प्राप्त करता है। अतः कहा जा सकता है कि आत्म विश्वास बालक के अधिगम और शैक्षिक उपलब्धि का उच्च स्तर प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए शोधार्थी ने आत्म विश्वास और शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सह सम्बन्ध का अध्ययन करने का निश्चय किया।

अध्ययन के उद्देश्यः–

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का शैक्षिक उपलब्धि के साथ सह सम्बन्ध का अध्ययन।

शोध अध्ययन की शून्य परिकल्पनायेंः–

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्म विश्वास का शैक्षिक उपलब्धि के साथ सार्थक सह सम्बन्ध नही है।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 1, December 2025 Impact Factor: 7.67

शोध अध्ययन का परिसीमनः–

प्रस्तुत शोध अध्ययन लखनऊ जनपद में स्थित उ0 प्र0 माध्यमिक बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों के माध्यमिक स्तर के केवल कक्षा–11` विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में चयन किया गया।

शोध अध्ययन की विधिः–

प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु वर्णात्मक शोध विधि के अन्तर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया ।

प्रस्तुत शोध अध्ययन की जनसंख्याः–

प्रस्तुत शोध अध्ययन की जनसंख्या के रूप में लखनऊ जनपद के माध्यमिक परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा–11 के समस्त विद्यार्थी (छात्र एवं छात्राएं) का चयन किया गया।

प्रस्तुत शोध अध्ययन का न्यादर्शः–

प्रस्तुत शोध में न्यादर्श के रूप में माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा–11 के कुल 400 विद्यार्थियों का चयन सम्भाव्य न्यादर्श विधि के अन्तर्गत साधारण यादृच्छिक विधि द्वारा चुना गया है।

शोध उपकरणः–

शोध में आत्मविश्वास के मापन के लिए डॉ0 मधु गुप्ता एवं बिंदिया लखनी मापनी का प्रयोग किया गया है तथा शैक्षिक उपलब्धि के मापन के लिए हाई स्कूल बोर्ड माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित परीक्षा में प्राप्त अंको के प्राप्तांको का प्रयोग किया गया ।

शोध में प्रयुक्त सांख्यकीयः–

1–मध्यमान।

2–मनक विचलन।

3–पियर्सन गुणनफल आघूर्ण सह सम्बन्ध गुणांक ।

आकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्याः–

उद्देश्यः–

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियो के आत्मविश्वास का शैक्षिक उपलब्धि के साथ सहसम्बन्ध का अध्ययन ।

शून्य परिकल्पनाः–माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का शैक्षिक उपलब्धि के साथ सार्थक सहसंबन्ध नही है।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 1, December 2025 Impact Factor: 7.67

तालिका

आत्मविश्वास का अध्यमान	आत्मविश्वास का मानक विचलन	शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान	शैक्षिक उपलब्धि का मानक विचलन	कुल संख्या N	डिग्री आफ फ्रीडम	पियर्सन गुणांक r का मान	पियर्सन गुणांक की r व्याख्या
175.22	23.69	70.65	10.77	400	398	0.776	उच्च धनात्मक सहसंबंध

उपरोक्त तालिका के अध्ययन के परिणाम स्वरूप यह ज्ञात होता है कि आत्मविश्वास का मध्यमान 175.22 तथा मानक विचलन का मान 23.69 जबकि शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 70.65 और मानक विचलन 10.77 प्राप्त हुआ डिग्री ऑफ फ्रीडम का मान 398 है। तथा पियर्सन सह सम्बन्ध गुणांक r का मान 0.776 है। पियर्सन r का मान 0.01 सार्थकता पर सारणी मान 0.128 से अधिक जो हमें नल हाईपोथेसिश अस्वीकृत कराने का आधार प्रदान करता है। अतः शून्य परिकल्पना माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का शैक्षिक उपलब्धि के साथ सार्थक सह सम्बन्ध नही है को अस्वीकार किया जाता है तथा अल्टरनेटिव रिसर्च परिकल्पना माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्म विश्वास का शैक्षिक उपलब्धि के साथ सार्थक घनात्मक सह सम्बन्ध है को स्वीकार किया जाता है। अतः यह परिणाम यह दर्शाता है आत्मविश्वास में वृद्धि होने पर शैक्षिक उपलब्धि में भी समान्तर वृद्धि होती है और आत्मविश्वास घटने से शैक्षिक उपलब्धि भी घटती है।

शोध निष्कर्षः–

प्रस्तुत शोध अध्ययन में निष्कर्ष रूप कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और शैक्षिक उपलब्धि के मध्य उच्च घनात्मक सह सम्बन्ध पाया गया।

शोध अध्ययन के शैक्षिक निहतार्थः–

1–प्रस्तुत शोध अध्ययन से प्राप्त निष्कर्षों के माध्यम से विद्यार्थियों के आत्म विश्वास को बड़ा कर उनकी शैक्षिक उपलब्धि में वृद्धि करने सफलता प्राप्त होगी।

2–अध्ययन के परिणाम यह भी बताते हैं कि शिक्षा प्रक्रिया द्वारा आत्मविश्वास में वृद्धि करके व्यवसायिक कुशलता का विकास किया जा सकतें है।

3–अध्ययन के परिणाम यह भी बताते है कि आत्मविश्वास रखने वाली विद्यार्थी समाज में अधिकाधिक समायोजित हो सकता है।

4–शैक्षिक प्रक्रिया द्वारा आत्म विश्वास में वृद्धि करके प्रतिकूल परिस्थितियों में भी सफलता प्राप्त की जा सकती है।

5–अध्ययन के परिणाम यह भी सुनिश्चित करते हैं कि विद्यार्थियों आत्मविश्वास बड़ा कर उनमें कठिन निर्णय लेन, जोखिम उठाने और अपनी पूरी क्षमताओं का उपयोग करने की क्षमता तथा योग्यता का विकास होता है।

सुझावः–

1–विद्यार्थियों को सदैव सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हुए अपने कार्यों का निष्पादन करना चाहिए।

2–विद्यार्थियों को स्वयं अपनी क्षमताओं और योग्यताओं पर विश्वास करना चाहिए।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 1, December 2025 Impact Factor: 7.67

3–छात्रों को अपनी रूचि और अभिक्षमता के अनुरूप ही विषयों एवं उद्देश्यों का चयन करना चाहिए।

4–शिक्षको को विद्यार्थियों की सीमाओ को देखते हुए उनके आत्म विश्वास को बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए।

5–शिक्षकों को चाहिए कि विद्यार्थियों की समस्याओं ध्यानपूर्वक सुने और उनका निवारण करें।

6–शिक्षको को चाहिए कि अपने विद्यार्थियों को हमेशा अच्छे कार्यो और शिक्षण के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

संदर्भ ग्रन्थ सूचीः–

[1]. अस्थाना, डॉ0 विपिन (2009) मनोविज्ञान एवं शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन आगरा, अग्रवाल पब्लिकेशन

[2]. कपिल, एच0के0, सांख्यकीय के मूल तत्व, आगरा, विनोद पुस्तक मन्दिर।

[3]. गुप्ता, एस0पी0 (2006), आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन, इलाहाबाद, शारदा पुस्तक भवन।

[4]. कोटारे, लक्ष्मी, (2024) इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ सांइंसिटिफिक डेबलपमेंट एण्ड रिसर्च वैल्यूम–9 ईश्यू –4

[5]. पुनेठा, दीपा, (2017) उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों सांवेगिक बुद्धि, आत्मविश्वास एवं शैक्षिक उपलब्धि का एक अध्ययन, पी0एच0डी0 शोध प्रबन्ध शिक्षा संकाय, बन स्थली विद्या पीठ राजस्थान।

[6]. गुप्ता, एस0के0 (2008) शैक्षिक मनोविज्ञान, प्रिन्टेज हॉल, इण्डिया, नई दिल्ली।

[7]. माधुरी, टुंडा और देवी, रानी (2018) कागनेटिव स्टाइल एण्ड सेल्फकान्फिडेंस अमंग सेकेन्ड्री स्कूल स्टूडेंस, इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन ह्यूमिनिटी, आर्टस एण्ड लिटरेचर, वाल्यूम–6 ईश्यू–8 पृष्ठ संख्या–637–650

[8]. विशालक्ष्मी, के0के0, यशोधरा के0 (2012) रिलेशनसिप विटबीन सेल्फ कान्फीडेन्स एण्ड एकाडमिक एचीवमेंट ऑफ सेकेण्डरी स्कूल स्टूडेंस, इण्डियन जर्नल ऑफ अप्लाइड रिसर्च वाल्यूम–1, इश्यू–12

[9]. राय पारसनाथ (2008) अनुसंधान परिचय, आगरा, लक्ष्मीनारायन अग्रवाल, पृष्ठ संख्या–65

[10]. राजपूत, जे0एस0 (1993–2000) सिक्सथ सर्वे ऑफ एजूकेशन रिसर्च एन0सी0ई0आर0टी0, नई दिल्ली, बाल्यूम–1

[11]. सिंगला, रूचि (2015) ए स्टडी ऑफ इमोशनल कम्पेटेन्सी आफ टीचर एजुकेटर टू देयर सेल्फ कान्फीडेन्स एडजेस्टमेंट एण्ड लाइक सैटिफेक्शन, महर्षि दयानन्द, विश्वविद्यालय, रोहतक हरियाणा।

[12]. सिंह, अरूण कुमार (2006) टेस्ट मेजरमेन्ट एण्ड रिसर्च मेंथल इन विहैविरल साइंस, पटना, भारतीय भवन प्रकाशन।

[13]. सिंह, रामपाल एवं शर्मा, ओ0पी0 (2002) शैक्षिक अनुसंधान एवं सांख्यकीय, आगरा, अग्रवाल पब्लिकेशन।

[14]. शर्मा, हेमलता और पूजा (2018) रिलेशनशिप ऑफ कागनेटिब स्टाइल विध एकाडमिक एचीवमेंट इन रिलेशन टू देयर लेवेल ऑफ कान्फीडेंस सेकेन्ड्री स्कूल, इण्टर नेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन इंजीनियरिंग, आई0टी0 शोसल सांइंस, बाल्यूम–3 ईश्यू–4 पृष्ठ सं0–55–80